नगर संस्करण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

पाक ने रिश्वत लेकर उत्तर कोरिया को बेची परमाणु बम तकनीक : खान 20

एशियाई एथलेटिक्स में मयूखा ने दिलाया पहला स्वर्ण 18

17/06/2012

कामयाबी के लिए तय करें अलग रास्ता

एसआरएमएस में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. महेश चंद्र ने समझाया शोध का महत्व, बोले, नाकामयाबी पर हताश न हों

बरेली, जागरण संवाददाता : राष्ट्रीय स्तर के सम्मानित वैज्ञानिक डॉ.महेश चंद्र का मानना है कि वही लोग शोध कार्य में सफल होते हैं जो किसी भी काम को दूसरों की तुलना में अलग तरीके से करते हैं। शोध भी अलग हटकर करने जैसा कार्य है, जिसमें काफी कुछ खास करना पड़ता है।

यह बात डॉ.महेश चंद्र ने श्री राममूर्ति स्मारक कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में चल रहे पांच दिवसीय इन्सपायर इन्टर्नशिप-2012 कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का बुधवार को दूसरा दिन था और इसमें डॉ. महेश चंद्र ने मेन्टर के रूप में विद्यार्थियों को शोध का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक की जिंदगी को नजदीक से बहुत ही कम लोगों ने देखा होता है इसलिए युवावर्ग इससे पूरी तरह वाकिफ नहीं होते हैं।

उन्होंने पा[illegible] से भरी बाल्टी में छात्र-छात्राओं से [illegible] डलवाकर यह साबित करने की कोशिश की कि कामयाबी न मिलने के बाद भी ज्यादातर लोग एक ही तरीके से कोशिश करते रहते हैं, जबकि नाकामयाबी के बाद तरीका बदलने की जरूरत होती है। डॉ.महेश चंद्र ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि आज विद्यार्थी ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता भी इंजीनियर अथवा डाक्टर के बिंदु से हटकर किसी दूसरे विषय में बात करने को तैयार नहीं रहते। इससे शोध प्रवृत्ति घटती है।

इंसपायर इंटर्नशिप में कई स्कूल, कालेज के विद्यार्थियों ने विभिन्न मॉडल के बारे में जानकारी ली। डा.महेश ने शोध पर गौर देने की बात की।

इंसपायर इंटर्नशिप

- वैज्ञानिक की जिंदगी को नजदीक से बहुत कम लोगों ने देखा
- छात्रों में शोध की प्रवृत्ति जरूरी, इसी से देश की तरक्की संभव

शोध से ही देश की तरक्की संभव

कार्यक्रम के दूसरे मेन्टर बरेली कालेज में भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.राजीव सक्सेना ने शोध को तरक्की का रास्ता बताया। कहा कि देश की तरक्की बिना शोध के नहीं हो सकती। उदाहरण दिया कि सेहत का बेहतर होना हर किसी व्यक्ति की प्राथमिकता होती है और किसी भी देश की जनता के स्वास्थ्य का अच्छा होना उस देश की प्राथमिकता। यह तभी संभव है जब दवाएं सस्ती और आसानी से उपलब्ध हों और इसके लिए आवश्यक शोध जरूरी हो जाता है। उन्होंने कहा कि देश की तरक्की के लिए शोध करने और बेहतर शोध के लिए इसकी प्रवृत्ति बनाने की ओर छात्र-छात्राओं का झुकाव होना आवश्यक है। कार्यक्रम में एसआरएमएस के डीन डॉ प्रभाकर गुप्ता, इंजीनियर सौरभ अग्रवाल व इन्सपायर कार्यक्रम के समन्वयक सचिन अग्रवाल व ट्रस्ट प्रशासक सुभाष मेहरा प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन साक्षी पांडे ने किया।